तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 20 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 अष्टमी पर मां दंतेश्वरी के दर्शन को उमड़ा...



10 बालक-बालिका गृह के बच्चों के लिए प्रीतिभोज...



नवरात्रि विशेष



अष्टमी: महागौरी

महागौरी देवी भगवती का आठवां स्वरूप है । आठवें नवरात्रि को माता के महागौरी स्वरुप की आराधना का विधान है। महागौरी ही देवी शाकुंभरी, दुर्गा, त्रिनेत्री, मन्शा, चंडी और शंताक्षी हैं । देवी महागौरी ने पार्वती रुप में महादेव को पति के रुप पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। इससे उनका शरीर कृष्णवर्णी हो गया । इस तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने इनके शरीर पर पावन गंगाजल की धारा डाली। फौरन महामाता विद्युतप्रभा के समान कांतिमान गौरवर्ण की ही गई। तभी से इनका नाम महागौरी पड़ा। महादेव से दैवी शक्तियों हासिल करने के बाद महागौरी ने शुंभ-निशुंभ, चंड-मुंड, रक्तबीज आदि दैत्यों का संहार किया। इन्हें दुर्गा नाम भी दिया गया। महागौरी की उपमा शंख, चंद्र और कंद के फूल से की गई है। इनके समस्त वस्त्र, आभूषण आदि श्वेत है। इनकी चार भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है। इनकी मुद्रा अत्यंत शांत है। मां की शक्ति अमोघ फल दने वाली है। माता महागौरी मनुष्य की वृत्तियों को सत और प्रेरित करके असत का विनाश करती हैं। गृहस्थों के लिए तो महागौरी की पूजा विशेष मंगलकारी मानी जाती है। महागौरी का आराधना मंत्र है-
श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं
दद्यान्महादेवप्रमोदया।।



नवमी: सिद्धिदात्री

नवम नवरात्रि को देवी माता के मंडपों में सिद्धिदात्री देवी की आराधना होती है। सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। माता की यह शक्ति सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लांघना, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व यह आठ सिद्धियां है। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। सिद्धिदात्री को ही जगत को चलाने वाली देवी कहा गया है। देवी पुराण के अनुसार महादेव ने इनकी कृपा से ही सिद्धियां प्राप्त की थी। इन्हीं के कृपा से सदाशिव का आधा शरीर देवी का हुआ है। यह भी कथा है कि मधु-कैटभ के वध के लिए महादेवी ने महामाया फैलाई और उसके अनेक रुप हो गए। भ्रमित दानवों ने पूछा कि देवी जब तुम अकेली हो तो इतनी सारी शक्तियां कौन है। तब देवी ने कहा कि सब मेरी शक्तियां हैं। मुझसे अलग कुछ नहीं है। इतना कहते देवी ने तमाम शक्तियां समेट ली और केवल सिद्धिदात्री मां ही रह गई। ऐसे ही समुद्र मंथन के समय सिद्धिदात्री देवी ने ही असुओं को भ्रम में डाला था। सिद्धिदात्री मां कमला ही धन-धान्य की प्रतीक हैं। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। कमल पुष्प इनका आसन है। देवी के दाहिने तरफ के नीचे वाले हाथ में चंद्र, उपर वाले हाथ में गदा और बांई तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और उपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। जगत का कल्याण करने वाली यह देवी नवरात्री की अधिष्ठात्री भी है। सिद्धिदात्री मां के भक्तों की लौकिक-पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाएं पूर्ण होती हैं। सिद्धिदात्री माता का आराधना का मंत्र है-
सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

मुरिया दरबार में 23 को शामिल होंगी राष्ट्रपति, लालबाग में आमसभा को करेंगी संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

आगामी 23 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सिरहासार भवन में ऐतिहासिक 'मुरिया दरबार' में शिरकत करेंगी। उनके प्रस्तावित आगमन को लेकर रविवार को कमिश्नर डोमन सिंह ने कलेक्टर आकाश छिकारा तथा पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के साथ आयोजन से जुड़े प्रमुख स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थागत तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों के दल ने सबसे पहले मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर दर्शन व्यवस्था व सुरक्षा प्रबंधों का अवलोकन किया, जिसके बाद वे सिरहासार भवन और लालबाग मैदान पहुंचे। सिरहासार भवन में मुरिया दरबार के पारंपरिक गरिमामयी स्वरूप और बैठक व्यवस्था का जायजा लिया गया, वहीं लालबाग मैदान में आयोजित होने वाली आमसभा तथा बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करने वाली विशेष प्रदर्शनी की रूपरेखा परखी गई। इस निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार, अपर कलेक्टर द्वय सीपी बघेल व दिलेराज डाहिरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर और नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। कमिश्नर, कलेक्टर और एसपी ने संबंधित विभागों को मंच सज्जा, बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण और जनसुविधाओं से जुड़े सभी निर्माण कार्यों को समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए, ताकि इस गरिमामयी आयोजन को सुव्यवस्थित संपन्न कराया जा सके।

खास बातें
- राष्ट्रपति के प्रवास कार्यक्रम को लेकर कमिश्नर ने तैयारियों का लिया जायजा
- बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करने वाली विशेष प्रदर्शनी की रूपरेखा परखी गई



कोंडागांव-उमरकोट मार्ग पर मंडी निरीक्षण दल की कार्रवाई

अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 144 क्विंटल मक्का जब्त, वसूला जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कृषि उपज का अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ मंडी प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में दो दिन में कोंडागांव के निरीक्षण दल ने दो वाहनों से अवैध 144 क्विंटल मक्का जप्त कर 37,696 रूपए जुर्माना लिया गया। इस तरह शनिवार को कोंडागांव-उमरकोट मार्ग पर कृषि उपज मंडी समिति कोंडागांव के निरीक्षण दल ने अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 60 क्विंटल मक्का को पकड़कर कार्रवाई की। मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित वाहन को रोककर उपज की जांच की गई। जांच में वाहन में बिना वैध मंडी प्रक्रिया के अधिसूचित कृषि उपज का परिवहन किए जाने का मामला सामने आया। राज्य कृषि विपणन बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक के निर्देश पर मंडी निरीक्षण दल शनिवार की शाम लगभग 4.45 बजे कोंडागांव से उमरकोट मार्ग पर जांच कर रहा था। इसी दौरान वाहन क्रमांक ओडी 02 बीजेड 1874 को रोककर तलाशी ली गई। जांच में वाहन में मक्का के 120 पैकेट मिले, जिनका वजन 60 क्विंटल था। रविवार की दोपहर एक बजे माकड़ी से गुरसिंगा मार्ग पर वाहन क्रमांक सीजी 27 एस 4389 मे अधिसूचित उपज मक्का 140 पैकेट वजन 84 क्विंटल का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त किया। निरीक्षण दल ने इसे अधिसूचित कृषि उपज का अवैध परिवहन मानते हुए मंडी अधिनियम के तहत जप्ती प्रकरण की कार्रवाई की। मामले में मंडी अधिनियम की धारा 19(4) के प्रावधानों के तहत मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क और समझौता शुल्क सहित 3316 एवं 24380 रुपए की राशि वसूल की गई। इस संबंध में सीमावर्ती राज्य ओडिशा जामरूंड़ा निवासी वाहन चालक धनुर्जय यादव एवं गुरसिंगा निवासी वाहन चालक मिठू नेताम के नाम से प्रकरण दर्ज किया गया। मंडी प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रूप से कृषि उपज का परिवहन करने वालों में हड़कंप मचा है।

- ओडिशा के वाहन चालक के खिलाफ बनाया प्रकरण





उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि मंडी क्षेत्र में अधिसूचित कृषि उपज के परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महाष्टमी की धूम, संधि पूजा और महाभोग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



शहर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर दुर्गोत्सव की धूम है। कुम्हारपारा स्थित बंगीय समाज भवन में सार्वजनिक शारदीय दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह है। पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां भी की गई हैं। बंगीय समाज ने महोत्सव के लिए कार्यक्रम जारी किया है। महा सप्तमी पूजा, चंडी पाठ, पुष्पांजलि, प्रसाद वितरण और संध्या आरती का आयोजन किया गया। 18 अक्टूबर को महा सप्तमी की विशेष पूजा, चंडी पाठ और पुष्पांजलि का कार्यक्रम निर्धारित है।

आज महा अष्टमी पूजा के साथ संधि पूजा और पुष्पांजलि होगी। दोपहर में नर-नारायण सेवा के तहत महाभोग प्रसाद का वितरण किया जाएगा। 20 अक्टूबर को महा नवमी के अवसर पर पूजा-अर्चना और हवन होगा। शाम को रंगोली प्रतियोगिता, शंख ध्वनि एवं उलूध्वनि और आरती प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 21 अक्टूबर को महा दशमी के अवसर पर विजया दशमी की पूजा, पुष्पांजलि और अपराजिता पूजा के बाद सुबह 10 बजे प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 3 बजे सिंदूर खेला का आयोजन होगा। वहीं, 22 अक्टूबर को विजया सम्मेलनी के साथ महोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाज के लोगों के बीच मिलन समारोह होगा।

लक्ष्मी और काली पूजा भी होगी

25 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे कोजागरी महालक्ष्मी पूजा तथा 8 नवंबर को रात्रि 11.30 बजे से श्यामा काली पूजा का आयोजन किया जाएगा। बंगीय समाज ने नगरवासियों से सपरिवार बंगीय समाज भवन पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना में शामिल होने और धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का लाभ लेने की अपील की है।

प्याज की 60 से 70 रुपए किलो तक पहुंची कीमत, टमाटर भी दे रहा महंगाई का झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी की रसोई का बजट एक बार फिर बिगड़ने लगा है। इस बार प्याज की बढ़ती कीमतों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कभी हर सब्जी और भोजन का स्वाद बढ़ाने वाला प्याज अब आम आदमी की थाली से धीरे-धीरे गायब होने लगा है। बाजार में प्याज के दाम 60 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। अचानक बढ़ी कीमतों के कारण गृहणियां भी अब प्याज खरीदने से पहले बजट का हिसाब लगाने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते प्याज की आवक और आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है।

ऐसे में फिलहाल प्याज की कीमतों में गिरावट की संभावना कम नजर आ रही है। यदि मौसम की स्थिति और आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं को महंगे प्याज से राहत मिलना मुश्किल हो सकता है। प्याज के साथ टमाटर के दाम भी बाजार में अलग-अलग बने हुए हैं। बाहर से आने वाला टमाटर जहां 25 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, वहीं स्थानीय टमाटर की कीमत 40 रुपए प्रति किलो तक है। हालांकि टमाटर की कीमत प्याज के मुकाबले कम है, लेकिन रसोई के जरूरी सामानों के लगातार महंगे होने से आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित हो रहा है।

- बाजार में सब्जियों के दाम आसमान पर, गृहणियों की बढ़ी परेशानी

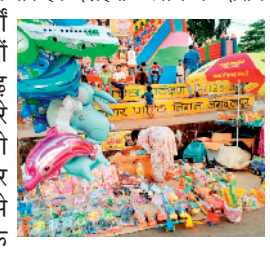


धनियापत्ती 300 रुपए किलो

बाजार में टमाटर 25-40, कुंदरू 80, परवल 100, करेला 50, पत्तागोभी 40, फूलगोभी 100, बरबट्टी 40, भट्टा 60, आलू 20, प्याज 60-70, मटर 200, खेक्सी 100, धनियापत्ती 300 रुपए प्रतिकिलो और पालकभाजी 20 रूपए में 5 जूड़ी, लालभाजी 20 रूपए में 7 जूड़ी बिक रही है।

दशहरा मेले की रौनक से गुलजार हुआ शहर

जगदलपुर। दशहरा के उत्सवी माहौल में शहर इन दिनों मेले की रौनक से गुलजार है। दशहरा उत्सव के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों में लोगों की चहल-पहल बढ़ गई है। सड़क किनारे सजी दुकानों, रंग-बिरंगे खिलौनों, गुब्बारों और बच्चों के मनोरंजन से जुड़ी वस्तुओं ने मेले के माहौल को खास बना दिया है। दशहरा मेले में बाहर से आए व्यापारियों और फेरीवालों ने दुकानें सजाई हैं। इन दुकानों पर बच्चों के खिलौने, रंग-बिरंगे गुब्बारे, बांसुरी, सजावटी सामान और घरेलू उपयोग की वस्तुएं लोगों को आकर्षित कर रही हैं। परिवार के साथ बाजार पहुंच रहे लोग अपनी जरूरत और पसंद के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, बच्चों की सबसे अधिक दिलचस्पी खिलौनों और मनोरंजन से जुड़ी वस्तुओं में दिखाई दे रही है।कहीं बच्चे अपने पसंदीदा खिलौने खरीदने की जिद करते नजर आते हैं, तो कहीं गुब्बारे और बांसुरी की दुकानें उनका ध्यान खींच रही हैं। दुकानदारों की आवाजें और बाजार में लोगों की चहल-पहल दशहरा मेले के पारंपरिक माहौल को जीवंत बना रही हैं।



युवाओं ने दो परिवारों को दिया नया आशियाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर में आई भीषण बाढ़ ने सैकड़ों परिवारों के आशियाने उजाड़ दिए। ऐसे मुश्किल वक्त में बस्तर के युवाओं की टीम बस्तरिया बैक बेंचर्स ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए जगदलपुर के समीप कुरुषपाल गांव के दो बेघर परिवारों को नया आशियाना दिया है। टीम ने आपसी सहयोग से दोनों जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रोफाइल शीट से एक-एक कमरे का मकान तैयार करवाया। शनिवार को दोनों परिवारों ने रिबन काटकर अपने नए घर में प्रवेश किया। बाढ़ में कुरुषपाल निवासी केसावती कश्यप का मकान पूरी तरह ढह गया था। तीन छोटे बच्चों के साथ उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया था। कुछ दिन राहत शिविर में बिताने के बाद भी उनके पास सिर छिपाने की जगह नहीं थी। वहीं, देवकी भारती के पति का कुछ वर्ष पहले बीमारी से निधन हो चुका है। मजदूरी कर तीन बच्चों का पालन-पोषण करने वाली देवकी का मिट्टी का मकान भी बाढ़ में तबाह हो गया था। दोनों परिवारों की स्थिति देखकर युवाओं ने तत्काल मदद का निर्णय लिया। टीम ने आपस में राशि जुटाई और कुछ सहयोगियों की मदद से दोनों मकान तैयार करवाए। केसावती को शासन से 1.30 लाख रुपये की सहायता मिली है, लेकिन तत्काल आवास की जरूरत के चलते युवाओं की पहल उनके लिए बड़ी राहत बनी।

- बाढ़ में ढह गए थे दोनों महिलाओं के मकान, बस्तरिया बैक बेंचर्स ने अपने खर्च पर बनवाए



बाढ़ में भी तीन हजार परिवारों तक पहुंचाया भोजन

बस्तरिया बैक बेंचर्स के सदस्यों ने बताया कि बाढ़ के शुरूआती तीन दिनों में तीन हजार से अधिक प्रभावित परिवारों तक दो वक्त का भोजन पहुंचाने का प्रयास किया गया था। इसी दौरान कुरुषपाल में दोनों परिवारों की स्थिति देखकर उन्हें स्थायी राहत देने की पहल की गई। कोविड काल से ही टीम जरूरतमंदों की मदद में सक्रिय है। इस सेवा कार्य में रिम्पी सहानी, महेंद्र महापात्र, संजय ठाकुर, शेख ताहिर, अशोक नायडू, मंजूर रजा, नाथू दुग्गा, अजय सेठिया, राहुल सेठिया, सोनू भदोरिया और विक्की गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने योगदान दिया।

27 अक्टूबर को माता दंतेश्वरी पहुंचेंगी अपने धाम

बस्तर दशहरा में शामिल होने माई जी की डोली हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए माई जी की डोली रविवार की शाम अपने गृह ग्राम दंतेवाड़ा से गाजे बाजे के साथ रवाना हुई, इस दौरान परंपरानुसार दंतेश्वरी मन्दिर परिसर में सशत्र जवानों द्वारा हर्ष फायरिंग कर सलामी दी गई।

इसके बाद माता दंतेश्वरी की डोली मंदिर परिसर से जय स्तंभ तथा गायत्री मंदिर चौक से डंकनी पुल के आगे पूजा स्थल में माई जी की डोली को रखा गया, उक्त स्थल पर नगरवासियों के अलावा विधायक चैत राम अट्टामी, पूर्व विधायक देवती कर्मा, तूलिका कर्मा, कलेक्टर देवेश ध्रुव, एस पी चंद्र मोहन सिंह ने पूजा अर्चना की। इसके बाद नगर होते हुए माई जी बस्तर दशहरा में शामिल होने रवाना हुई। 27 अक्तूबर को माता दंतेश्वरी डोली सहित अपने धाम पहुंचेगी।

- बाबा बोधराज करेंगे नगर रखवाली



पंचमी को दिया गया न्योता

वर्षों पुरानी परंपरानुसार बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को शारदीय नवरात्र के पंचमी को बस्तर महाराजा कमल चंद भंजदेव ने माता के दरबार पहुंचकर अष्टमी की तिथि पर बस्तर दशहरा में शामिल होने का न्योता दिया इसके बाद पंचमी से अष्टमी तक माई जी की डोली को गर्भ गृह से निकाल कर मंदिर परिसर स्थित पटसार में स्थापित किया गया। इसी परम्परा के मद्देनजर जम कर आतिशबाजीयों ओर जगह जगह स्वागत के बीच फूल मालाओं से सजी वाहन में रविवार को माई जी अपने पुजारी सहित सेवादार, मांझी, चालकी संग बस्तर दशहरा में शामिल होने रवाना हुई ।



अष्टमी पर मां दंतेश्वरी के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब, 3.5 क्विंटल गेंदा के फूलों से सजा मंदिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

पुरानी परंपराओं और पौराणिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है देव नगरी बड़ेडोंगर : भरत भारद्वाज

फरसगांव ब्लॉक मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर स्थित देव नगरी बड़ेडोंगर में शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर रविवार को मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। देर शाम तक श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां दंतेश्वरी मंदिर को केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर करीब साढ़े तीन क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया गया, जो आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंजता रहा।

बड़ेडोंगर की पहचान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी है। यहां भैसादोंद पहाड़ी पर मां दंतेश्वरी विराजमान हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इसी पहाड़ी पर मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। पहाड़ी की चट्टानों पर माता के पदचिह्न, नयन और युद्ध से जुड़े निशान होने की मान्यता है। बस्तर के महाराजा पुरुषोत्तम देव के शासनकाल में बड़ेडोंगर बस्तर रियासत की राजधानी भी रहा है।

सदियों पुरानी परंपराएं आज भी जीवंत : बड़ेडोंगर में आज भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में मौजूद शिलालेख के अनुसार, वर्ष 1836 में राजा दरियाव देव के शासनकाल में देवी-देवताओं से जुड़े कार्यों के लिए पांच नाईकों का चयन किया गया था। इनके वंशज आज भी विभिन्न धार्मिक आयोजनों में अपनी परंपरागत भूमिका निभाते हैं। महानवमी पर मां की विशेष पूजा-अर्चना के बाद नौ कन्याओं का पूजन और भोज कराया जाता है। नवरात्र के दौरान जोगी उठाई सहित अन्य पारंपरिक रस्में भी निभाई जाती हैं।

मंदिरों में प्रज्वलित की गई ज्योति

नवरात्र के अवसर पर मां दंतेश्वरी मंदिर के साथ शीतला मंदिर, महादेव पहाड़ी और हिंगलाजिन माता मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने हजारों तेल एवं घी की ज्योति प्रज्वलित की गई है। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे भक्तों ने माता को नारियल, चुनरी और श्रृंगार सामग्री अर्पित कर मनोकामनाएं मांगीं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्था के इंतजाम किए।



ठुनठुनी पत्थर भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

बड़ेडोंगर की पहाड़ी पर स्थित ठुनठुनी पत्थर, जिसे स्थानीय बोली में कौड़ी धुसी भी कहा जाता है, अपनी अनोखी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, इस चट्टान पर छोटे पत्थर से चोट करने पर झांझ जैसी आवाज सुनाई देती है। श्रद्धालु यहां मनोकामना मांगकर सिक्का चिपकाने का प्रयास भी करते हैं। स्थानीय विवरणों के अनुसार, बड़ेडोंगर में कभी 147 तालाब हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण इनकी संख्या घटकर 80 से भी कम रह गई है। पहाड़ियों पर स्थित मंदिर, प्राचीन धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता इस क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

खबर संक्षेप

जनजातीय और ओबीसी समाजों के अधिकारों पर डाका डाल रही है सरकार : तरूणा

जगदलपुर। आम आदमी पार्टी की



प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता तरूणा साबे बेदरकर ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता विधेयक को थोपने की कोशिशों पर विरोध किया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विरोध दर्ज करते हुए उन्होंने कहा कि यूसीसी कोई सुधार कानून नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और यहां के शांत सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का एक राजनीतिक हथियार है। यूसीसी में लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण और ऐसा न करने पर जेल की सजा का जो प्रावधान है, वह सीधे-सरल ग्रामीण समाज के लिए एक अभिशाप साबित होगा। हमारे यहाँ 'नाता प्रथा' और आपसी सहमति से रहने की सामाजिक व्यवस्थाएं हैं। इस कानून के जरिए सरकार गाँवों के युवाओं और महिलाओं को ब्लैकमेल करने के लिए पुलिस और प्रशासन के हाथ में एक दमनकारी चाबुक सौंप रही है, जिससे भ्रष्टाचार और प्रताड़ना बढ़ेगी।

टीबी मुक्त अभियान पर हुआ शिविर



जगदलपुर। विकासखंड बकावंड के ग्राम पंचायत कोसमी में शुक्रवार को सघन अभियान के अंतर्गत एचआईवी, एड्स जागरूकता एवं टीबी मुक्त अभियान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के अंतर्गत लोगों का एचआईवी एवं टीबी परीक्षण किया गया तथा गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को एचआईवी, एड्स एवं टीबी के लक्षण, बचाव, समय पर जांच और उपचार के प्रति जागरूक किया गया। शिविर के सफल संचालन में काउंसलर रूपसाय कश्यप, सुपरवाइजर दिनेश पराते, भूपेंद्र नाग, अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं मितानिनों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में एचआईवी, एड्स एवं टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना था।

बच्चों के चेहरों पर लाई खुशी, विधायक-कलेक्टर ने किया उत्साहवर्धन

बालक-बालिका गृह के बच्चों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन, विधायक और कलेक्टर ने बांटे उपहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शनिवार की संध्या कोण्डागांव में बालक एवं बालिका गृह के बच्चों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रीतिभोज के बाद आयोजित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

विधायक और कलेक्टर ने बच्चों को बांटे उपहार

कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक, कलेक्टर एवं अतिथियों ने बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य पर डाला प्रकाश

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के प्रति सेवा और संकल्प के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रें में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्होंने सेवा कार्यो के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गो तक सहयोग पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया।



मेहनत और ईमानदारी से आगे बढ़ें बच्चे : लता उसेंडी

विधायक लता उसेंडी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ करें। अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों से स्वयं के साथ परिवार, समाज और जिले का नाम रोशन करें। विधायक उसेंडी ने बच्चों को आश्वस्त किया कि शिक्षा, खेलकूद और अन्य क्षेत्रें में आगे बढ़ने के लिए किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर तत्काल जानकारी दें। शासन–प्रशासन बच्चों के सवांर्गीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने को तत्पर है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में मनोज जैन, सोनामणि पोयाम, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश, वरिष्ठ खेल अधिकारी सुधा कुमार, जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र सोनी, मणि शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों की शिक्षा और देखभाल पर विशेष ध्यान : नरपति पटेल

नगर पालिका अध्यक्ष पटेल ने कहा कि बाल गृह के बच्चे विभिन्न क्षेत्रें में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बच्चों की बेहतर देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतिभा विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता बताई, ताकि बच्चे अपनी क्षमता के अनुरूप सफलता हासिल कर सकें।

मनोरंजक गतिविधियों में बच्चों ने लिया हिस्सा

प्रीतिभोज के पश्चात बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें बालक एवं बालिका गृह के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अतिथियों से उपहार प्राप्त कर बच्चे प्रसन्न नजर आए। यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार बन गया।

विजयादशमी की तैयारी तेज, रावण को आकार देने में जुटे कारीगर

केशकाल। विजयादशमी पर्व नजदीक आते ही दशहरा उत्सव की तैयारियां तेज होने लगी हैं। पर्व को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है। वहीं, दशहरा उत्सव के प्रमुख आकर्षण रावण दहन के लिए रावण का पुतला तैयार करने में कारीगर जुटे हुए हैं। कारीगर बांस, लकड़ी, रस्सी और अन्य आवश्यक सामग्रियों की मदद से रावण के पुतले को आकार दे रहे हैं। पुतले के अलग-अलग हिस्सों को तैयार करने से लेकर उन्हें आपस में जोड़ने तक का काम सावधानीपूर्वक किया जा रहा है, ताकि विजयदशमी के दिन रावण के पुतले को अंतिम रूप देकर दहन के लिए तैयार किया जा सके। दशहरा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयदशमी के दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर अधर्म का अंत किया था। इसी प्रसंग



को याद करते हुए हर वर्ष दशहरा पर्व पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है। इस परंपरा के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जाता है कि अहंकार, अन्याय और बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। विजयदशमी के अवसर पर रावण दहन को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह रहता है। परिवार के साथ दशहरा उत्सव देखने पहुंचने वाले लोग इस परंपरा का आनंद लेते हैं। रावण दहन के साथ ही भगवान श्रीराम की विजय का प्रसंग जीवंत हो उठता है।

कारीगरों की मेहनत से तैयार हो रहा रावण का पुतला

रावण के पुतले को तैयार करना मेहनत और कौशल का काम है। पुतले को खड़ा करने के लिए सबसे पहले उसका ढांचा तैयार किया जाता है। इसके बाद उसके विभिन्न अंगों को आकार देकर जोड़ा जाता है। पुतले को आकर्षक स्वरूप देने के लिए उसके चेहरे, सिर और अन्य हिस्सों को विशेष रूप से तैयार किया जाता है। निर्धारित समय पर कार्य पूरा करने के लिए कारीगर लगातार मेहनत कर रहे हैं। उनके हाथों से तैयार हो रहा रावण का पुतला दशहरा उत्सव की तैयारियों का प्रमुख हिस्सा है।

महाष्टमी पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने चलाया स्वच्छता अभियान



कोण्डागांव। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर महाअष्टमी के अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, कोंडागांव द्वारा नगर के विभिन्न दुर्गा मंदिरों एवं पूजा पंडालों के आसपास वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में पूर्व सैनिकों के साथ संस्था से निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 250 युवक–युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान मंदिर परिसरों और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

■ दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों के आसपास की सफाई

दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों में की सफाई : स्वच्छता अभियान के तहत परिषद के सदस्यों और प्रशिक्षणार्थियों ने नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर झाड़ू लगाकर कचरा साफ किया। मंदिरों एवं पूजा पंडालों के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। डीएनके की कालीबाड़ी और दुर्गाबाड़ी में श्रमदान अभियान के दौरान डीएनके स्थित कालीबाड़ी एवं दुर्गाबाड़ी परिसर में सफाई की गई। इसके साथ ही आड़काछेपड़ा स्थित दुर्गाबाड़ी और चिकलपुटी स्थित दुर्गा मंदिर के आसपास भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। गरबा स्थल और बाजार पारा में भी हुई सफाई पूर्व सैनिकों और प्रशिक्षणार्थियों ने विकास नगर स्टेडियम स्थित बरसाना गरबा समिति परिसर तथा मुख्य बाजार पारा के दुर्गा पंडाल और आसपास के क्षेत्रें में भी श्रमदान किया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर फैले कचरे की सफाई की गई। लगभग 250 युवक–युवतियों ने अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं ने पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर मंदिर परिसरों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की तथा सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। परिषद के सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि जीवन में साफ–सफाई अत्यंत आवश्यक है। आसपास का वातावरण स्वच्छ रहने से स्वास्थ्य के साथ मन और विचारों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर परिषद के संरक्षक एवं बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा, जिलाध्यक्ष सूरज यादव, सदस्य श्रीकांत तिवारी, रतिराम सोरी, आकाश देवांगन सहित निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक–युवतियां एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



महाअष्टमी पर विशेष हवन-पूजन के साथ हुई लोक मंगल की कामना

गीदम। पावन शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के शुभ अवसर पर मां शीतला माता मंदिर, गीदम में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन संपन्न हुआ। इस पावन अनुष्ठान में मां जगदंबा से समस्त क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। महाअष्टमी के दिन मां के दरबार में विशेष पूजा का विशेष महत्व होता है, जिसके चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में आहुतियां दी गईं। हवन-पूजन के दौरान माता के 9 रूपों का स्मरण कर क्षेत्र की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की गई। हवन में आम की लकड़ी, घी, हवन सामग्री और औषधीय जड़ी-बूटियों का उपयोग किया गया। हवन-पूजन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण और माँ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने मां शीतला के दर्शन कर मन्नतें मांगी और हवन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि के 9 दिनों तक मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ और आरती का आयोजन किया जा रहा है। महाअष्टमी पर हवन-पूजन इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। भक्तों का मानना है कि महाअष्टमी के दिन मां शीतला की सच्चे मन से पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मां शीतला माता की कृपा सभी भक्तों एवं क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे तथा सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही कामना की गई।

27 प्रतिशत आरक्षण और उचित प्रतिनिधित्व को लेकर विधायक नीलकंठ टेकाम को सौंपा ज्ञापन

केशकाल। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज, बस्तर संभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज की विभिन्न मांगों को लेकर केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम को ज्ञापन सौंपा गया। समाज के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन के माध्यम से पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने, पृथक जनगणना में ओबीसी वर्ग की गणना सुनिश्चित करने तथा समाज को विभिन्न क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने पिछड़ा वर्ग के अधिकारों, सामाजिक न्याय और समुचित भागीदारी से जुड़े विषयों पर ध्यान आकर्षित कराया।

■ विधायक ने विधानसभा में मुद्दे उठाने का दिया आश्वासन

27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग ; ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग प्रमुखता से शामिल रही। समाज का कहना है कि पिछड़ा वर्ग को शिक्षा, रोजगार और अन्य अवसरों में उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण से संबंधित मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना आवश्यक है। समाज के प्रतिनिधियों ने इस विषय को पिछड़ा वर्ग के अधिकारों और सामाजिक समानता से जोड़ते हुए मांगों को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने की आवश्यकता बताई।



पृथक जनगणना में पिछड़ा वर्ग की गणना पर जोर : समाज ने पृथक जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या की गणना सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। प्रतिनिधियों के अनुसार, पिछड़ा वर्ग की वास्तविक जनसंख्या से संबंधित आंकड़े उपलब्ध होने पर समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति को समझने तथा उसके अनुरूप योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायता मिल सकती है।

समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग : ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग को विभिन्न क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने की मांग भी शामिल रही। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक वर्ग की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पिछड़ा वर्ग को भी अपनी जनसंख्या, सामाजिक स्थिति और आवश्यकताओं के अनुरूप उचित अवसर एवं प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

विधायक ने विधानसभा में मांगें उठाने का दिया आश्वासन

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने समाज की मांगों को जायज बताते हुए इन्हें विधानसभा स्तर पर उठाने की बात कही। विधायक के इस आश्वासन से समाज के प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि पिछड़ा वर्ग से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों को उचित मंच पर रखा जाएगा और मांगों पर आगे की कार्रवाई के लिए प्रयास किए जाएंगे। समाज के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन के माध्यम से यह अपेक्षा जताई कि पिछड़ा वर्ग से संबंधित मांगों पर शासन स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाएगा, ताकि समाज को उसके अधिकारों के अनुरूप अवसर और प्रतिनिधित्व प्राप्त हो सके।

बस्तरिया राज मोर्चा के गठन के साथ अलग बस्तर राज्य की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

ब्लॉक मुख्यालय फरसगांव स्थित गोंडवाना समाज भवन में 17 अक्टूबर को बस्तरिया राज मोर्चा की जिला स्तरीय महाबैठक आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष ईश्वर लाल कोर्राम के नेतृत्व में आयोजित बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय नेता मनीष कुंजाम शामिल हुए। उन्होंने बस्तर के आदिवासी एवं मूल निवासियों के हक-अधिकारों की रक्षा और बस्तर को अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

■ मनीष कुंजाम ने कहा– जल, जंगल, जमीन और मूल निवासियों के अधिकारों के लिए करेंगे संघर्ष

मनीष कुंजाम ने कहा कि बस्तर के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न संगठनों से चर्चा और सुझाव के बाद बस्तरिया राज मोर्चा (बीआरएम)



का गठन करने का निर्णय लिया गया है। संगठन जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ ही आदिवासी-मूल निवासियों पर हो रहे कथित उत्पीड़न, अत्याचार और शोषण के खिलाफ आवाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर की खनिज संपदा और लौह अयस्क पर यहां के लोगों का अधिकार है, लेकिन स्थानीय निवासियों को ही उनके संसाधनों से बेदखल किया जा रहा है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, खनिज संपदा और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का उल्लेख करते हुए बस्तर को अलग राज्य बनाने की आवश्यकता बताई। साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों से इस मांग को लेकर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने बताया कि संगठन के पंजीयन के लिए कार्यकारिणी गठन, नियमावली निर्माण और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं आगे पूरी की जाएंगी। बैठक में बस्तरिया राज मोर्चा युवा प्रभाग के जिलाध्यक्ष शिवा नेताम, मीडिया प्रभारी जितेंद्र शोरी, क्षेत्रीय गोंडवाना समाज अध्यक्ष सुकुलू कोमरा, पूर्व साहू समाज जिला अध्यक्ष संतोष साहू, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुक्कू राम नाग, बड़ेडोंगर ब्लॉक अध्यक्ष बिरजू सलाम और गायत्री परिवार जिला समन्वय समिति के सदस्य मंसाराम मरकाम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करने के बाद मनीष कुंजाम जगदलपुर के लिए रवाना हुए।



खबर संक्षेप

बाढ़ पीड़ितों व किसानों को राहत और कर्ज माफ करे सरकार

लोहंडीगुड़ा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ललित पांडे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रदेश सरकार से बाढ़ पीड़ितों और किसानों को तत्काल आर्थिक राहत देने की मांग की है। पांडे ने बताया कि इंद्रावती नदी की बाढ़ से क्षेत्र में मवेशी बह गए, मकान ढह गए और हजारों हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई है।



उन्होंने शासन से क्षतिग्रस्त फसलों का तत्काल निष्पक्ष सर्वे कराकर मुआवजा देने, बाढ़ पीड़ित किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और धान खरीदी 15 नवंबर के बजाय 1 नवंबर से शुरू करने की मांग की। पांडे ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल के कारण सर्वे और गिरदावली का काम ठप पड़ा है, जिससे प्रभावितों को परेशानी हो रही है। मांगें पूरी न होने पर कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

बाढ़ पीड़ित किसानों को 65100 प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग



जगदलपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला बस्तर के नेतृत्व में बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्याओं एवं फसल नुकसान के उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव सिंह के कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर किसानों की पीड़ा से अवगत कराया। संगठन ने मांग की कि बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यूनियन ने प्रस्ताव रखा कि किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान के मान एवं 3,100 प्रति क्विंटल की दर के आधार पर 65,100 प्रति एकड़ मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए। संगठन ने कहा कि फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे समय में किसानों को राहत देना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, जिला अध्यक्ष रमेश गोयल, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, मानसिंह नेताम, संगठन मंत्री जगन्नाथ देवांगन, जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार पांडे, तोकापाल ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बघेल सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

निधन

संदीप पांडे

जगदलपुर। शिव मंदिर वार्ड निवासी संदीप पांडे का लंबी बीमारी के उपचार के बाद कल शाम निधन हो गया। वे लोक निर्माण विभाग के विद्युत यांत्रिकी संभाग में ठेकेदार के रूप में कार्यरत थे। वे आबकारी विभाग के निरीक्षक शैलेश पांडे के भाई एवं पत्रकार सुनील पांडे के चचेरे बड़े भाई थे।उनकी अंतिम यात्रा आज उनके निवास से मुक्तिधाम के लिए निकली। वे भरापूरा परिवार छोड़ गए।

जिसे बुलाया गया था बतौर प्रशिक्षक, वो बन बैठी मालकिन

मुफ्त की बिजली, मुफ्त का भवन और करोड़ों की आमदनी, स्वसहायता समूहों के हिस्से आई फूटी कौड़ी

लीलाधर राठी ⏭ सुकमा

सुकमा जिले का सी मार्ट इन दिनों फिर से विवादो में है। 18 मई 2022 को प्रारंभ हुए इस संस्था की सबसे गंभीर बात यह रही कि जिस महिला को 6 माह हेतु बतौर प्रशिक्षक नियुक्त किया गया था वो आज दिनांक तक मालकिन बन बैठी है। खास बात यह है कि जिपं के अग्रिम 15 लाख व स्थापना हेतु 58 लाख खर्च करने के बाद भी स्थानीय महिलाओं को कितना लाभ मिला ये सबसे अह्म जांच का मुद्दा है। भुपेश सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई सी-मार्ट योजना सुकमा जिले में अपने मूल उद्देश्यों से भटकती नजर आ रही है। जिस व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की परिकल्पना की गई थी, उसी के संचालन को लेकर अब कई सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि स्वसहायता समूहों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, जबकि सी-मार्ट के संचालन, वेतन भुगतान और प्रशासनिक सुविधाओं पर लगातार मेहरबानी दिखाई गई।

- भुपेश की सी-मार्ट अपने मूल उद्देश्यों से भटकी

हरिभूमि लगातार

महिला समूहों को वास्तविक लाभ मिलने पर संशय

सी-मार्ट की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना और महिला स्वसहायता समूहों की आय बढ़ाना था। इसके तहत प्रशिक्षण और क्षमता विकास के माध्यम से महिलाओं को कारोबार की बारीकियां सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की बात कही गई थी। लेकिन सुकमा में इस व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि प्रशिक्षण की निर्धारित अवधि के बाद भी संचालन की जिम्मेदारी किस तरह निभाई गई और इसका वास्तविक लाभ कितने स्वसहायता समूहों तक पहुंचा? आरोप है कि जिस व्यवस्था को महिलाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बनना था, उसमें संचालन से जुड़ी महिला की भूमिका और सुविधाएं ही प्रमुख हो गईं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि सी-मार्ट के संचालन से अब तक कितने समूहों की आय बढ़ी, कितनी महिलाओं को नियमित रोजगार मिला और स्थानीय उत्पादों की बिक्री से कितना आर्थिक लाभ हुआ।

लाखों का बकाया और करोड़ों के कारोबार पर सवाल



फरवरी 2024 तक भुगतान की पुष्टि

इस पूरे मामले में जिला पंचायत सुकमा के सूत्रों ने बताया कि सी मार्ट में काबिज महिला को पर्वू में 32 हजार व कुछ माह बाद 42 हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान फरवरी 2024 तक किया गया था। 6 माह के लिए सी मार्ट में प्रशिक्षक के तौर पर आई महिला को दिए गए भुगतान की अवधि, राशि, स्वीकृति प्रक्रिया और संबंधित मद की जानकारी सामने लाने की आवश्यकता और बढ़ गई है। यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि फरवरी 2024 तक लगभग 10 लाख रूपये का भुगतान किस मद से किया गया।

भाजपा ने भी जताया था विरोध

सी-मार्ट की व्यवस्था और उसके संचालन को लेकर राजनीतिक सवाल भी नए नहीं हैं। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भाजपा की ओर से 19 दिसंबर 2022 में भी इस व्यवस्था पर विरोध जताए जाने की बात सामने आई थी। ऐसे में अब सवाल यह है कि जिन विषयों पर पहले आपत्तियां उठाई गई थीं, सत्ता परिवर्तन के बाद उनकी समीक्षा क्यों नहीं हुई? यदि संचालन में अनियमितताओं या उद्देश्यों से विचलन की शिकायतें थीं, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते जांच और सुधार की पहल क्यों नहीं की?

मुफ्त भवन और बिजली, फिर वेतन भुगतान पर सवाल

सी-मार्ट को संचालन के लिए भवन और बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद संचालन से जुड़ी बिलासपुर की महिला के वेतन का भुगतान जिला विकास से संबंधित राशि और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से 15 लाख रूपये किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पूर्व कलेक्टर के निर्देश पर उक्त महिला को वेतन पहले 35 हजार रुपये निर्धारित था, जिसे बढ़ाकर 45 हजार रुपये कर दिया गया। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वेतन किस आदेश के तहत निर्धारित किया गया, उसमें वृद्धि की स्वीकृति किसने दी और भुगतान के लिए सीएसआर मद का उपयोग किन नियमों के अंतर्गत किया गया।

प्रशासनिक मेहरबानी या योजना के उद्देश्य से समझौता?

सी-मार्ट को मुफ्त का भवन, बिजली और वेतन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के पीछे प्रशासन की मंशा महिला समूहों को सशक्त बनाने की रही होगी, लेकिन योजना की सफलता का आंकलन सुविधाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उससे लाभान्वित महिलाओं की संख्या और उनकी बढ़ी हुई आय से होना चाहिए। यदि स्वसहायता समूहों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, तो करोड़ों रुपये के कारोबार और खर्च के दावों के बीच उनकी वास्तविक हिस्सेदारी का हिसाब सामने आना चाहिए। अब जरूरत है कि जिला प्रशासन सी-मार्ट की स्थापना से अब तक के वित्तीय अभिलेख, वेतन निर्धारण और वृद्धि के आदेश, सीएसआर मद से हुए भुगतान, भवन-बिजली पर खर्च तथा स्वसहायता समूहों को मिले लाभ का सार्वजनिक परीक्षण कराए।

विधायक मंडावी ने गांवों में मनाया बतकम्मा पर्व, दुर्गा पंडालों में टेका माथा



मद्देड़। बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील क्षेत्र के गांवों में पारंपरिक बतकम्मा पर्व की धूम मची हुई है। इस अवसर पर विधायक विक्रम शाह मंडावी गांवों में पहुंचकर माता-बहनों के साथ त्योहार की खुशियों में शामिल हो रहे हैं। वे देर रात तक दूर-दराज के गांवों का दौरा कर मां गौरी की पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

बतकम्मा उत्सव के साथ-साथ विधायक विक्रम मंडावी जिले के विभिन्न दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों में भी लगातार पहुंच रहे हैं। उन्होंने नवरात्रि की बेला में मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा पंडालों में मौजूद श्रद्धालुओं, युवाओं और बुजुर्गों से भेंट कर उन्हें पर्व की बधाइयां दीं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विधायक हर परिस्थिति में जनता के कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं। संकट या त्योहार के समय गांवों में उनकी मौजूदगी से ग्रामीणों में खासा उत्साह है। जनता के प्रति उनकी सादगी और समर्पण की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

समान नागरिक संहिता पर चर्चा, तीन जिलों के प्रतिनिधियों ने दिए सुझाव



हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने संयुक्त जिला कार्यालय में बैठक की। इसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के सामाजिक-धार्मिक संगठनों, समाज प्रमुखों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की गई।

समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस एमके राउत, सदस्य मोहन पवार व ज्योति रानी सिंह की मौजूदगी में यह जनपरामर्श हुआ। बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव और जिला पंचायत सीईओ एम. भार्गव की उपस्थिति में समिति ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों जैसे विषयों पर प्रतिनिधियों से सुझाव मांगे, जिस पर स्थानीय नागरिकों ने अपने विचार रखे।

बाढ़ पीड़ितों के बैंक ऋण माफ करने की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोंड



ग्राम पंचायत टलनार की महिला समूहों की सदस्यों ने जगदलपुर स्थित बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के निवास पहुंचकर बाढ़ से उत्पन्न आर्थिक संकट को लेकर ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को देखते हुए समूहों पर बकाया बैंक ऋण एवं किस्तों में राहत प्रदान करने तथा ऋण माफी की मांग की।

महिला समूहों ने बताया कि इस वर्ष बाढ़ एवं अत्यधिक बारिश के कारण क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। कई परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद होने से ग्रामीणों की आय का प्रमुख स्रोत छिन गया है। ऐसी परिस्थितियों में बैंक ऋण की नियमित किस्त जमा करना और ब्याज का भुगतान करना उनके लिए अत्यंत कठिन हो गया है।

विधायक ने दिया कार्रवाई का भरोसा

महिलाओं ने विधायक से आग्रह किया कि वे बाढ़ प्रभावित समूहों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर ऋण माफी या किस्तों में राहत दिलाने के लिए पहल करें। विधायक लखेश्वर बघेल ने प्रभावित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

तेंदूपत्ता के विक्रय मूल्य में उछाल संग्राहकों को जल्द मिलेगा बोनस



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले में नक्सलवाद खत्म होने के बाद न केवल तेंदूपत्ता का संग्रहण बढ़ा है, बल्कि इसके विक्रय मूल्य में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में संग्रहित तेंदूपत्ता का औसत विक्रय मूल्य जहां महज 550 रुपये प्रति लॉट था, वहीं वर्ष 2026 में यह रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ औसतन 8,150 रुपये प्रति लॉट तक पहुंच गया है।

विक्रय मूल्य में इस अप्रत्याशित वृद्धि के चलते वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले संग्राहकों को जल्द ही भारी-भरकम बोनस राशि का लाभ मिलने की पूरी संभावना है। इससे वनांचल के आदिवासी और वनवासी परिवारों की मौसमी आय में अतिरिक्त वृद्धि होगी, जो सीधे तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और ज्यादा मजबूती प्रदान करेगी। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण की यह ऐतिहासिक सफलता सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि क्षेत्र में लौट रही शांति और विकास की नई तस्वीर है। कभी नक्सलवाद के खौफ से प्रभावित रहने वाले सुदूर क्षेत्रों के ग्रामीण अब आजीविका गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सुरक्षित रोजगार मिलने से हजारों वनवासी परिवारों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता आ रही है।

सात विशेष थीम पर आधारित पर्यटन स्थल बढ़ा रहा जिले की शोभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वनमंडल द्वारा आंवराभाटा स्थित वन मंदिर पर्यटन स्थल में आयोजित

- वन मंदिर आंवराभाटा में पांच दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर



पांच दिवसीय 'इंटीग्रेटेड योग एवं ध्यान शिविर' का सफलतापूर्वक समापन हो गया।

शिविर में युवाओं, महिलाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को योगासन, भ्रामरी प्राणायाम, श्वास नियंत्रण एवं ध्यान का गहन अभ्यास कराया गया।

लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में विकसित वन मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक वातावरण और अनूठी विशेषताओं के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस पर्यटन स्थल पर आरोग्य वन, सप्तऋषि वन, पंचवटी, राशि वन, नक्षत्र वन, राग गार्डन और नवग्रह वन के रूप में सात विशेष थीम विकसित की गई हैं।

सप्तऋषि वन में सात ऋषियों से जुड़ी परंपरा, पंचवटी में पांच वट वृक्षों तथा नवग्रह वन में नौ ग्रहों से संबंधित विशेषताओं को दर्शाया गया है। वहीं, नक्षत्र वन में विभिन्न नक्षत्रों से संबंधित पौधे लगाए गए हैं। ये सभी वन क्षेत्र प्रकृति, भारतीय संस्कृति, योग, ध्यान एवं औषधीय वनस्पतियों के महत्व को प्रदर्शित करते हैं। वन मंदिर अपनी विशिष्ट पहचान के साथ जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा लोगों को प्रकृति और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

शिविर के सफल आयोजन पर वनमंडल दंतेवाड़ा ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, योग विशेषज्ञों, प्रशिक्षकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, आयोजन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में योगदान देने वाले प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों का विशेष धन्यवाद किया गया। शिविर के समापन पर नागरिकों से योग एवं ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।



छात्रों ने सीखी पंचायत की कार्यप्रणाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बारसूर में विद्यार्थियों को पंचायती राज व्यवस्था से परिचित कराने के लिए आदर्श युवा ग्राम सभा का

- नवोदय विद्यालय बारसूर में आदर्श युवा ग्राम सभा का मंचन

मंचन किया गया। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने सरपंच, सचिव और ग्रामीणों की भूमिकाएं निभाकर पंचायत की कार्यप्रणाली को व्यवहारिक रूप से समझा।

मंचन में सरपंच की भूमिका सौम्या नेताम ने निभाई। वहीं सिद्धार्थ यादव सचिव, शशांक वार्ड मेंबर, मंजू यादव आशा कार्यकर्ता, कोसाराम किसान प्रतिनिधि, हेतल ठाकुर प्रधान पाठिका, ऐजल मरकाम आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, तन्मय युवा प्रतिनिधि, खुशबू पटेल एनजीओ कार्यकर्ता और प्रज्ञा सोनी रोजगार सहायक की भूमिका में रहे। कार्यक्रम में रामबचन कुमार, रविन्द्र नारायण, मंगेश्वरी, रविंद्र गौतम, नीलेश कोसरिया और केशव सिंह सहित अन्य शिक्षकों का योगदान रहा। मंच संचालन अमित कुमार ने किया।

अतिथि जसवीर नेगी ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। उप प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार यादव ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने छात्रों से सामाजिक कुरीतियों को मिटाने और ग्राम विकास में योगदान देने की अपील की।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया धाकड़ समाज मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 21 हजार



बस्तर। बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए बस्तर धाकड़ समाज कल्याण समिति ने सराहनीय कदम उठाया है। समिति ने बाढ़ पीड़ितों की तात्कालिक सहायता के लिए 21,000 रुपये की सहयोग राशि दान की है। समिति के पदाधिकारियों ने बस्तर कलेक्टर को औपचारिक आवेदन सौंपकर चेक के माध्यम से यह राशि 'मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष' के लिए प्रेषित की। समिति अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को गति देने की अपील की है। ठाकुर ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से सैकड़ों परिवार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। प्रशासन को युद्ध स्तर पर कार्रवाई करते हुए सभी प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, भोजन, आवश्यक दवाइयां, स्वास्थ्य शिविर और सुरक्षित आश्रय स्थल जैसी बुनियादी सुविधाएं तुरंत सुनिश्चित करनी चाहिए। इस पुनीत कार्य में समिति के संरक्षक सोनाधर सिंह ठाकुर, सचिव राजू सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष बली सिंह ठाकुर सहित जिला कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

बारिश नहीं होने से पौधों पर जमा डस्ट पार्टिकल्स साफ नहीं हुआ

बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों को ज्यादा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोशलनार

सितंबर के अंतिम सप्ताह में बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों को ज्यादा नुक्सान होता हुआ नजर आ रहा है। नदी किनारे

- शासन-प्रशासन से फसल क्षति का आंकलन कर मुआवजा की मांग

वाली उच्चहन भूमि और खेतों में धान सहित अन्य अनाज वर्गीय फसल की हरियाली गायब है।

धान के लगभग 80फीसदी पौधे झुलसे हुए हैं। भैरमगढ़ ब्लाक के इंद्रावती और उसके सहायक नदी के किनारे वाली खेतों में आज भी बाढ़ की तबाही का मंजर साफ नजर आ रहा है। तटीय इलाका वाले कोशलनार, मंगनार नेलसनार, सतवा पांडे मुर्गा, बांगोली आदि गांव के सैकड़ों हेक्टेयर धान की फसल खराब हो गई है।इन गांवों के किसान फ़सल के नुक्सान को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। धान के पौधों में धूल और मटमैला परत जम गया है। यह स्थिति खतरनाक है क्योंकि इससे पौधों को जल्द रिकवर होने में अड़चन आती है। बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से पौधों पर जमा डस्ट पार्टिकल्स साफ नहीं हुआ और हालात बद से बद्तर होता जा रहा है। पांडे मुर्गा निवासी



शंकर,लक्ष्मण और सुशीला ने बताया कि नेलसनार सतवा पांडे मुर्गा बांगोली आदि नदी किनारे की खेतों में बाढ़ का पानी लगातार 4 दिनों तक जलमग्न रहा।

इससे धान की फसल को बड़े पैमाने पर नुक्सान हुआ है। बाढ़ के बाद बारिश हुई होती तो कुछ हद तक नुक्सान कम होता। लेकिन लगातार चिलचिलाती धूप के कारण पौधे अनुकूल वातावरण के अभाव में नष्ट हो गए। सुशीला ने बताया कि नदी किनारे की गभार भूमि में प्रतिवर्ष 20 से 25 क्विंटल तक धान का उत्पादन होता था। इस वर्ष बाढ़ के कारण 2 क्विंटल धान भी मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि साल भर बच्चों का भरण पोषण कैसे करें,इस बात चिंता सताए जा रही है। पांडे मुर्गा के किसानों ने कहा कि इलाके के ज्यादातर किसानों की जीविका खेती पर निर्भर है। इसलिए शासन --प्रशासन से फसल क्षति का सही आंकलन कर मुआवजा की अपेक्षा है। थलेश ठाकुर के मुताबिक 80-90 के दशक में ज्यादातर किसान देशी वेरायटी के धान का उत्पादन करते थे। इस प्रजाति में ज्यादा बारिश या जलभराव को भी सहन करने की क्षमता होती थी। लेकिन अब सीड कंपनी या सोसायटी में मिलने वाले हाईब्रिड धान बीज का उपयोग कर रहे हैं जो प्रतिकूल हालात को सहन नहीं कर सकता।

आज भी डूबान एरिया के धान के पौधों पर डस्ट पार्टिकल्स जम गया है। इससे जाइलम और फ्लोयम की क्रिया सही ढंग से नहीं हो रहा है। एग्रोनामी में उल्लेख है कि जाइलम और फ्लोयम पौधों में पाए जाने संवहन उत्तक है, जो खनिज, भोजन आदि जरूरी पोषक तत्वों की सप्लाई का काम करते हैं।

खबर संक्षेप

सफाई कर्मचारियों का साई सेवा समिति ने किया सम्मान



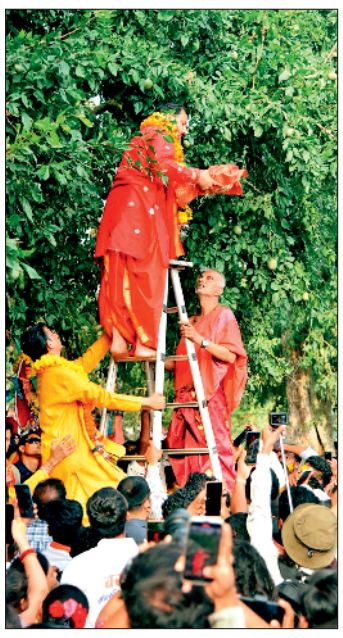
जगदलपुर। श्री सत्य साई सेवा समिति के तत्वाधान में स्वच्छता से दिव्यता के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों के बहुमूल्य योगदान को रेखांकित करने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एक भव्य सफाई कर्मचारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के पदाधिकारी के द्वारा ऊंकाराम, दीप प्रजलान वेद पाठ एवं साई गायत्री के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभाग समन्वयक केएस रामैया, समिति संयोजक मुकेश रायकवार द्वारा सफाई कर्मचारियों महेंद्र दीपक एवं गोवर्धन सोनी का उनकी उत्कृष्ट और समर्पित सेवाओं के लिए शॉल, श्रीफल मिष्ठान और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 75 बाल विकास के बच्चों, गुरु समिति की सदस्यों ने भाग लिया बाल विकास के बच्चों ने अपनी कोमल भावनाओं को सेवा के रूप में स्वामी के चरणों में अर्पित किया। कार्यक्रम में ईश्वर सलाम, भूपेंद्र साहु, जीतेंद्र रायकवार, रामकृष्ण तिवारी, बी. नागेश, रमेश रुपरेला, जी. विजय साई, दंतेश्वर नायडू, निर्मल पोतानी, रोहन टांण्डे, भोला मानिकपुरी, उषा सलाम, आशा राव, मीना मालगांवकर, गीता विश्वास, गायत्री बर्मन, राजकुमारी डोरा, रमा राव, बी. मंजू, निधि रायकवार, आकृति, एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बदलावंड में हुआ एचआईवी शिविर



जगदलपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड के खंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय बसाक व एचआईवी नोडल अधिकारी डॉ. सीआर मैत्री के दिशा निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बदलवंड में जांच शिविर का आयोजन गया। इसमें 18 वर्ष से अधिक महिला, पुरुष व गर्भवती माताओं की जांच की गई। शिविर में मुख्य रूप से आईसीटीसी काउंसलर रूपसाय कश्यप, एमएलटी भुपेन्द्र नाग, लेब तकनीशियन लोकमनी साहू, एक्स-रे तकनिशियन मीना मानिकपुरी, स्टाप नर्स प्रदीपा नाग, गायत्री सारथी, पर्यवेक्षक दिनेश पराते, मितानिन हिरामनी सेठिया शामिल रहे।

सरगीपाल से गाजे-बाजे के साथ दंतेश्वरी मंदिर लाया गया शिव-शक्ति का प्रतीक जुड़वा बेल



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ऐतिहासिक दशहरा पर्व की अनूठी परंपरा के तहत रविवार को सरगीपाल में पारंपरिक 'बेल पूजा' का विशेष विधान श्रद्धा, उल्लास और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। शहर के बाहरी सीमा पर स्थित ग्राम सरगीपाल के प्राचीन बेल वृक्ष के समक्ष सैकड़ों ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में रस्म निभाई गई।इस रस्म का मुख्य केंद्र वृक्ष पर प्राकृतिक रूप से एक साथ जुड़े 'युग्म बेल' (जोड़े में लगे फल) रहे, जिन्हें लोकमान्यता में देवाधिदेव महादेव और आदिशक्ति मां पार्वती का साक्षात स्वरूप माना जाता है। एक दिन पूर्व ससम्मान निमंत्रण देकर लाल वस्त्र से आच्छादित किए गए इन फलों का रविवार सुबह 11 बजे पारंपरिक अनुष्ठान शुरू हुआ। पूजा के दौरान गांव में वैवाहिक उत्सव जैसा मांगलिक माहौल देखने को मिला, जहां ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों के बीच हल्दी लगाकर उत्सव मनाया। इस अवसर पर बस्तर राजपरिवार के सदस्य एवं माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव ने उपस्थित रहकर सभी

बस्तर दशहरा में विधि-विधान से संपन्न हुई बेल पूजा





परंपराओं का विधिवत निर्वहन किया। इस अवसर पर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप भी उपस्थित थे।धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होने के उपरांत पेड़ से युग्म बेल को तोड़कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वाद्ययंत्रों और गाजे-बाजे की थाप पर निकली इस शोभायात्रा के जरिए पवित्र बेल को मां दंतेश्वरी मंदिर लाया गया, जहां इसे विधिपूर्वक स्थापित किया गया। सैकड़ों वर्ष पूर्व राजा को मिले दिव्य स्वप्न और शक्ति के आभास से शुरू हुई यह परंपरा आज भी बस्तर की सांस्कृतिक गरिमा और अटूट लोक-आस्था के साथ जीवंत रूप से निभाई जा रही है।

लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का शुभारंभ, 23 राज्यों के स्वदेशी उत्पाद होंगे आकर्षण का केंद्र

स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम : कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



लालबाग मैदान में आज स्वदेशी मेले का शुभारंभ हुआ। 18 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस मेले में देश के 23 राज्यों के स्वदेशी उत्पादों एवं पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करना, स्थानीय व्यापार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम है। हमें स्वदेशी उत्पादों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। जब हम देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तब स्थानीय कारीगरों, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में स्वदेशी अपनाना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है स्वदेशी देश हो अपना। स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर हम देश की आर्थिक मजबूती, स्थानीय उद्योगों के विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। स्वदेशी की भावना को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

विकसित भारत 2047 की दिशा में बढ़ रहा देश

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ स्वावलंबन की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी उत्पाद देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान और यहां की प्रतिभा को दिल्ली तक पहुंचाने में स्वदेशी मेले जैसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, महापौर संजय पाण्डेय, जिला सहकारी केन्द्रिय बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, राजाराम तोडेम, दशरथ कश्यप, खेम सिंह देवांगन, किशोर पारेख सुब्रत चाकी, डॉ. राम राकेश जांगिड़, अनिल लुंकड़, लक्ष्मण झा एवं कल्पना शर्मा, धर्मपाल शर्मा, सुरेश गुप्ता, निर्मल पाणिग्रही, बी. जयराम, आशा डोडिया, शिवनारायण चांडक, डॉ. मनोज पाणिग्रही, झरना मोहन्ती, डॉ. ज्योति लागु, ममता राणा, मंजू लुंकड़, राजीव कपूर, संग्राम सिंह राणा, पंकज आचार्य, शशिनाथ पाठक, अभिषेक झा, सहित अन्य मौजूद रहे।

अष्टमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, आज कन्या भोज और भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की आराधना में पूरा शहर भक्तिमय हो गया है। अष्टमी पर रविवार को शहर के विभिन्न देवी मंदिरों में माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के समक्ष माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। नवरात्रि के अंतिम दिनों में देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला जारी है।नवरात्रि में अष्टमी और नवमी तिथि का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। अष्टमी पर मंदिरों में हवन में श्रद्धालुओं ने आहूती दी।

शहर के नया मुंडा स्थित हिंगलाज माता मंदिर में रविवार को अष्टमी के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आहुतियां अर्पित कीं और माता रानी से सुख-शांति की कामना की। सोमवार को कन्या भोज के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।



मां दंतेश्वरी मंदिर में आज हवन और कन्या पूजन

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में भी सोमवार को विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे। हवन के पश्चात कन्या पूजन और कन्या भोज कराया जाएगा। मान्यता के अनुसार, कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है और उन्हें भोजन कराकर आशीर्वाद लिया जाता है।

इसके लिए मंदिर प्रबंधन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।

शहर के अधिकांश देवी मंदिरों में सोमवार को हवन-पूजन के बाद कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजनों को लेकर मंदिर समितियों और श्रद्धालुओं में उत्साह है। कन्या भोज के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

मां दंतेश्वरी दर्शन कर रथ यात्रा में शामिल हुए किरण देव, बड़े भाई से लिया आशीर्वाद



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव बस्तर दशहरा की रथ यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को नवरात्र एवं विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।मावली मंदिर परिसर में किरण देव ने अपने बड़े भाई कुमार जयदेव के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। लंबे समय बाद अपने गृह क्षेत्र लौटे किरण देव का दशहरा समिति के सदस्यों, बस्तर धाकड़ क्षत्रिय राजपूत समाज के प्रतिनिधियों, पुजारी, मांझी- चालकी सहित बस्तर दशहरा से जुड़े विभिन्न वर्गों के लोगों ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।स्वास्थ्य लाभ के बाद क्षेत्र में वापसी पर किरण सिंह देव ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग तीन महीने बाद व्यक्तिगत रूप से क्षेत्रवासियों के बीच लौटने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि बड़ों के आशीर्वाद, शुभकामनाओं और सभी की दुआओं के कारण स्वस्थ होकर अपने कर्मक्षेत्र में लौट पाए हैं। मां दंतेश्वरी के आशीर्वाद से एक बार फिर उसी उत्साह और ऊर्जा के साथ जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। बस्तर दशहरा की रथ यात्रा में शामिल होकर उन्होंने इस ऐतिहासिक और पारंपरिक पर्व के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने का संदेश दिया।

सांसद व दशहरा समिति अध्यक्ष महेश कश्यप ने माड़िया समाज के लोगों से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्वविख्यात बस्तर दशहरा पर्व की महत्वपूर्ण रस्म भीतररैनी व बाहररैनी रथ परिक्रमा में विशाल विजय रथ खींचने वाले माड़िया समाज को आमत्रिंत करने बस्तर सांसद व दशहरा समिति अध्यक्ष महेश कश्यप किलेपाल पहुंचे उनसे

- बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक विजय रथ खींचने किया आमंत्रित
- दशहरा सामाजिक समरसता और पीढ़ियों से संरक्षित परंपराओं का जीवंत प्रतीक



भेंट कर रथ खींचने आमंत्रित किया।

उन्होंने विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक रथ को खींचने की पीढ़ियों पुरानी परंपरा का निर्वहन करने वाले माड़िया समाज के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समाज के सदस्यों को बस्तर दशहरा में शामिल होकर ऐतिहासिक रथ खींचने की परंपरा में सहभागिता निभाने ससम्मान आमंत्रित किया।

सांसद महेश कश्यप ने कहा बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं, जनजातीय आस्था और सांस्कृतिक वैभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस महापर्व में माड़िया समाज की सहभागिता पीढ़ियों से चली आ रही उस गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है जो बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को विशिष्ट बनाती है। ऐतिहासिक रथ को खींचने की परंपरा जनजातीय समाज की आस्था, समर्पण और सामूहिक सहभागिता को दर्शाती है।

सांसद कश्यप ने माड़िया समाज के सदस्यों से आत्मीय संवाद कर बस्तर दशहरा की परंपराओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा इस ऐतिहासिक उत्सव में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आमंत्रण दिया।

उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और पीढ़ियों से संरक्षित परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इस महापर्व की विशिष्टता विभिन्न समाजों की सहभागिता और परंपराओं के प्रति उनके अटूट विश्वास में निहित है। सांसद महेश कश्यप ने कहा माँ मावली दंतेश्वरी के आशीर्वाद से बस्तर की यह अमूल्य सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे और बस्तर दशहरा की गौरवशाली परंपराएँ निरंतर आगे बढ़ती रहें।

जनता से अधिक से अधिक स्थापित करें संवाद : सिंह

- भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह का प्रथम बस्तर प्रवास



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह दायित्व संभालने के बाद आज प्रथम बस्तर प्रवास पर पहुंचे और सर्वप्रथम दंतेवाड़ा शक्तिपीठ में बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। जगदलपुर में जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। परिचयात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया और जनता से अधिक से अधिक संवाद स्थापित करने कहा।उन्होंने कहा कि बस्तर विशेष है। वर्तमान में देश काल में जैसी परिस्थितियां जानबूझकर कर निर्मित करने प्रयास रचे जा रहे हैं, सभी कार्यकर्ता हर क्षेत्र में जनता से सीधे जुड़कर संवाद बनायें। युवाओं से अधिक से अधिक चर्चा करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा व जन सेवा सर्वोपरि है। संगठन को सशक्त बनाने सक्रियता और विचारों का प्रवाह आवश्यक है।इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधायक डा सुभाऊ कश्यप, संतोष बाफना, ब्रेवरेज कार्पोरेशन अध्यक्ष श्रीनिवासन राव मद्दी, प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय, महापौर संजय पाण्डेय, जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही,परीश राम बेसरा, जिपं उपाध्यक्ष बलदेव मण्डावी, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, योगेन्द्र पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष आर्येंद्र सिंह आर्य, नरसिंह राव, लखीधर बघेल, रोहित त्रिवेदी, फूलसिंह सेठिया, किरण सेन, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, माहेश्वरी ठाकुर, अभिलाष यादव,विनय सोना, बी जयराम, ममता राणा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नक्सल मुक्त सुकमा में गरबा-डांडिया की धूम

जहां कभी गूंजती थी गोलियों की आवाज, अब पुलिस लाइन में थिरक रहे कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा





कभी जिस सुकमा की पहचान नक्सल हिंसा, मुठभेड़ों और गोलियों की गूंज से होती थी, वहां अब नवरात्रि के उल्लास में गरबा-डांडिया की छड़ियां खनक रही हैं। जिन दुर्गम जंगलों में सुरक्षा बलों के जवान हथियार थामकर नक्सल मोर्चे पर डटे रहते थे, उन्हीं जवानों के परिवार अब सांस्कृतिक आयोजनों में एक साथ कदमताल कर रहे हैं। बदलते सुकमा की यह तस्वीर न केवल शांति की नई उम्मीद जगाती है, बल्कि पुलिस परिवारों के भीतर उत्साह, आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी देती है। 17 अक्टूबर को सुकमा पुलिस लाइन में पहली बार भव्य गरबा-डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, महिला कमांडोज, शहीद जवानों के परिजनों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों से पुलिस लाइन का वातावरण भक्तिमय और उत्सवमय हो उठा।

सुकमा जैसे संवेदनशील जिले में सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले जवानों की दिनचर्या चुनौतियों और जोखिमों से भरी रहती है। घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में नक्सल विरोधी अभियानों में साहस दिखाने वाली पुलिस की विशेष इकाई 'दुर्गा फाइटर्स' की महिला कमांडोज ने जब डांडिया की छड़ियों के साथ ताल मिलाई, तो आयोजन का उत्साह देखते ही बना। वर्दी में अनुशासन और मोर्चे पर अदम्य साहस का परिचय देने वाली महिला जवानों का पारंपरिक नृत्य के प्रति उत्साह इस महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि कर्तव्य की कठोर जिम्मेदारियों के बीच भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक खुशियों के लिए जगह बनाई जा सकती है।

कलेक्टर और सीआरपीएफ डीआईजी ने भी बढ़ाया उत्साह

गरबा-डांडिया महोत्सव में कलेक्टर अमित कुमार, सीआरपीएफ डीआईजी आनंद सिंह और पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर सपरिवार शामिल हुए। वरिष्ठ अधिकारियों की पारिवारिक सहभागिता ने कार्यक्रम को और खास बना दिया। अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। उनके साथ परिवारों की मौजूदगी ने पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के साथ मानवीय जुड़ाव की तस्वीर भी प्रस्तुत की।

तनावपूर्ण ड्यूटी के बीच नई ऊर्जा का संदेश

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने कहा कि पुलिस बल की ड्यूटी अत्यंत चुनौतीपूर्ण, तनावपूर्ण और जोखिम भरी होती है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन जवानों और उनके परिवारों को मानसिक सुकून देने के साथ नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। इससे आपसी मेलजोल बढ़ता है और पुलिस परिवारों को एक साझा मंच मिलता है। गुर्जर ने कहा कि सुकमा में गरबा-डांडिया का यह आयोजन बदलते सामाजिक वातावरण की एक सुखद तस्वीर के रूप में सामने आया। जहां कभी हिंसा और भय की खबरें सुर्खियां बनती थीं, वहीं अब सांस्कृतिक उत्सव, पारिवारिक सहभागिता और उल्लास की गूंज सुनाई दे रही है।

